पुलवामा हमला: भारत का प्रतिशोध

पुलवामा में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। अनंतनाग जिले के पहलगाम में टूरिस्ट बस पर हुए इस हमले में कम से कम 28 पर्यटकों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हैं। यह हमला सिर्फ एक आम घटना नहीं है, बल्कि पाकिस्तान और आतंकियों की छटपटाहट को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपना सऊदी अरब का दौरा छोटा करके भारत वापस आने का फैसला किया है और स्पष्ट कहा है कि इस जघन्य कृत्य के पीछे जो भी लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। अमित शाह श्रीनगर पहुंच चुके हैं और सुरक्षा व्यवस्था का सीधा नियंत्रण संभाल लिया है।

by OJAANK IAS

हमले का विवरण और स्थान

यह हमला अनंतनाग जिले के पहलगाम में हुआ, जो श्रीनगर के पूर्वी हिस्से में स्थित एक प्रसिद्ध पर्यटक स्थल है। बैसरन घाटी, जिसे 'मिनी स्विट्ज़रलैंड' भी कहा जाता है, में हुए इस हमले में आतंकवादियों ने जानबूझकर पर्यटकों को निशाना बनाया।

हमले का स्थान

पहलगाम, अनंतनाग जिला, जम्मू-कश्मीर - श्रीनगर के पूर्वी हिस्से में स्थित एक लोकप्रिय पर्यटक स्थल

निशाना

विशेष रूप से पर्यटक समूह, जिनमें भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लोग शामिल थे

हताहत

कम से कम 28 पर्यटकों की मौत, कई अन्य घायल, कुछ की स्थिति गंभीर

हमले के पीछे कौन?

इस हमले की जिम्मेदारी 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने ली है, जो लश्कर-ए-तैयबा का एक प्रॉक्सी ग्रुप है। यह संगठन अक्टूबर 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के तुरंत बाद अस्तित्व में आया था।

अगस्त 2019

भारत सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को हटाया गया

अक्टूबर 2019

द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का गठन

उद्देश्य

पाकिस्तान को FATF की ग्रे लिस्ट से बाहर निकालने के लिए एक छाया संगठन के रूप में काम करना

जून 2024

पहलगाम में पर्यटकों पर हमला

Ojaank Gurukul | IAS

आतंकी समूह की रणनीति

टीआरएफ का मुख्य उद्देश्य अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद कश्मीर में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को रोकना है। वे कश्मीर में बढ़ते निवेश और पर्यटन को भी रोकना चाहते हैं।

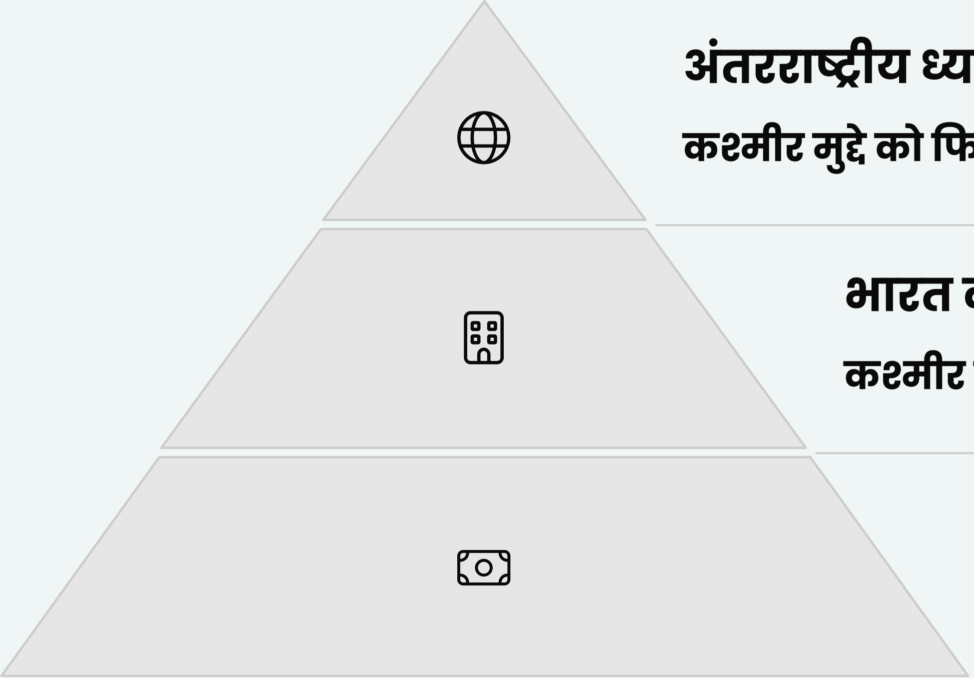

अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करना

कश्मीर मुद्दे को फिर से वैश्विक मंच पर लाना

भारत की कूटनीतिक कहानी को बाधित करना

कश्मीर में स्थिरता के भारतीय दावे को चुनौती देना

निवेश और पर्यटन को रोकना

कश्मीर के आर्थिक विकास को बाधित करना

भारत सरकार का प्रतिक्रिया

प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कहा है कि इस हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। अमित शाह श्रीनगर पहुंचकर सीधे कमान संभाल चुके हैं और दक्षिण कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

कैबिनेट कमेटी की बैठक

सुरक्षा पर कैबिनेट कमेटी की आपातकालीन बैठक बुलाई गई है जिसमें आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

विपक्ष की मांग

विपक्षी दलों ने संसदीय बहस की मांग की है और सरकार पर कश्मीर में सामान्य स्थिति के "खोखले दावे" करने का आरोप लगाया है।

अंतरराष्ट्रीय समर्थन

अमेरिका, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जापान और इज़राइल सहित कई देशों ने भारत के साथ एकजुटता दिखाई है।

📞 अधिक जानकारी के लिए हमें कॉल करें: 8750711100/22/33/44/55, या WhatsApp करें:- 8285894079

कश्मीर में प्रतिक्रिया

कश्मीर में लोग इस हमले से काफी परेशान और दुखी हैं। नागरिक समाज, धार्मिक विद्वानों और आम लोगों ने इस हमले की निंदा की है। श्रीनगर में युवाओं द्वारा इस हमले के विरोध में मार्च भी निकाला गया है।

नागरिक समाज

हमले की कड़ी निंदा और शांति बनाए रखने की अपील

धार्मिक विद्वान

हिंसा के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाई

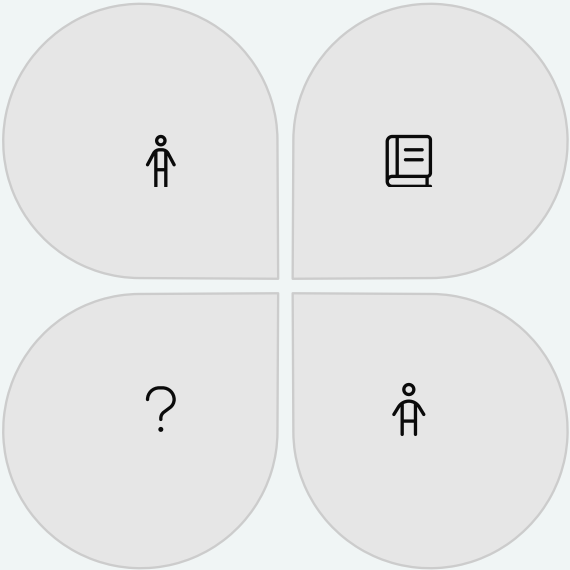

जवाबदेही की मांग

सरकार से हमले को रोकने में नाकाम रहने पर जवाब मांगा

युवा

श्रीनगर में विरोध मार्च निकालकर आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाई

भारत के संभावित प्रतिशोध विकल्प

भारत के पास कई प्रतिशोध विकल्प हैं, जिनमें सर्जिकल स्ट्राइक सबसे संभावित लगता है। 2016 के उरी हमले के बाद भूमि मार्ग से और 2019 के पुलवामा हमले के बाद हवाई मार्ग से सर्जिकल स्ट्राइक की गई थी।

सर्जिकल स्ट्राइक

आतंकी लॉन्च पैड्स पर हमला

आतंकवाद-रोधी अभियान

दक्षिण कश्मीर में CRPF और सेना की तैनाती बढ़ाना

खुफिया कार्रवाई

स्लीपर सेल्स का पता लगाना और AI आधारित निगरानी

कूटनीतिक दबाव

पाकिस्तान को FATF की ग्रे लिस्ट में वापस डालने के लिए दबाव

Ojaank Gurukul | IAS

क्षेत्रीय प्रभाव और भविष्य की चुनौतियां

इस हमले के बाद पाकिस्तान के साथ तनाव और बढ़ने की संभावना है। नियंत्रण रेखा पर फायरिंग और घुसपैठ की कोशिशें बढ़ सकती हैं। अल्पकालिक रूप से कश्मीर में पर्यटन को झटका लग सकता है।

आतंकवाद का बदलता स्वरूप

निहत्थे पर्यटकों पर हमला एक नई रणनीति है

सुरक्षा रणनीति में बदलाव

पर्यटकों की सुरक्षा के लिए नए उपाय आवश्यक

शांति बहाली की चुनौती

पर्यटन और निवेश को पुनः बढ़ावा देना

Ojaank Gurukul | IAS

Follow Ojaank Sir

Ojaank

IAS with Ojaank Sir

Ojaank_Sir

IAS with Ojaank Sir

Free PDF Content

पाने के लिए अभी JOIN करें

8285894079

8285894079

👉 Visit our official website to get the same UPSC Special Current News PDF: www.ojaank.com

👉 Daily free English news PDF link:
https://www.ojaank.com/books/current-affairs-magazine

👉 Daily free Hindi news PDF link : https://www.ojaank.com/hindi/books/current-affairs-magazine